प्रारूप– 34

परियोजना का नाम :– जनपद टिहरी गढवाल के अगलाड – थत्यूड मोटर मार्ग के क्यारी से मसरासमोटर मार्ग का नवनिर्माण। (15.00 किमी0)

भू–वैज्ञानिक की संस्तुतियों/सुझावों का अनुपालन किये जाने का प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि विषयगत परियोजना के निर्माण हेतु भू–वैज्ञानिक द्वारा दिये सुझावों/संस्तुतियों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

सहायक अभियन्ता
अस्थाई खण्ड, लो0नि0वि0,
थत्यूड़ (टि0ग0)।

अधिशासी अभियन्ता
अस्थाई खण्ड, लो0नि0वि0,
थत्यूड़ (टि0ग0)।

जनपद टिहरी गढ़वाल में क्यारी–मसरास मोटर मार्ग के नवनिर्माण हेतु प्रस्तावित समरेखन की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या।

1 अस्थाई खण्ड, लोक निर्माण विभाग थत्यूड़ के अन्तर्गत 15.00 कि0 मी0 लम्बाई में क्यारी मसरास मोटर मार्ग का निर्माण किया जाना प्रसतावित हैं अधिशासी अभियन्ता अस्थाई खण्ड लो0नि0वि0 थत्यूड के अनुरोध पर प्रस्तावित समरेखन का अधोहस्ताक्षरी के द्वारा दिनांक 22/11/2017 को सम्बंधित सहायक अभियन्ता श्री संजय नवानी एवं कनिष्ठ अभियन्ता श्री अमित कश्यप के साथ निरीक्षण किया गया।

2 राज्य योजना के अन्तर्गत क्यारी–मसरास मोटर मार्ग का 15 कि0मी0 लम्बाई में निर्माण कार्य स्वीकृत हैं। मार्ग के निर्माण हेतु सम्बंधित खण्ड के द्वारा दो समरेखनों पर प्रारम्भिक सर्वेक्षण किया गया है।-तकनीकी बिन्दुओं एवं स्थानीय ग्रामवासियों के साथ हुई सहमति को ध्यान में रखते हुये अस्थाई खण्ड लो0नि0वि0 थत्यूड़ के द्वारा समरेखन संख्या एक के अनुसार मार्ग के निर्माण का प्रस्ताव हैं। प्रस्तावित समरेखन अगलाड़–थत्यूड़ मोटर मार्ग (मुख्य जिला मार्ग संख्या 10) के कि0मी0 30 में क्यारी नामक स्थान से हिल साईड में आरम्भ होता है तथा स्वीकृत 15 कि0मी0 लम्बाई पूर्ण कर मसरास की सीमा में समाप्त होता हैं। निरीक्षण के समय अवगत कराया गया कि समरेखन नाप भूमि, सिविल भूमि एवं वनभूमि से होकर गुजरता है। समरेखन में 09 हेयरपिन बैण्डंस प्रस्तावित हैं। सभी बैण्ड्स दूरी लिये हुये हैं तथा बैण्ड्स एक दूसरे के ऊपर नहीं है। समरेखन क्षेत्र में क्वार्टजाईट, स्लेट तथा फिलाईट आदि चट्टान है तथा स्थान--स्थान पर इनके ऊपर ओवरबर्डन मैटेरियल है। नापभूमि में ढलान सामान्यतः 20^0 से 45^0 के मध्य हैं, जबकि वनभूमि में तथा चट्टानी भाग में भूमि का ढलान 60^0 तक अथवा अधिक है। समरेखन तीन स्थानों पर एक गधेरे को पार करता है,जिस पर पुलिया के निर्माण की आवष्यकता होगी।

3 समरेखन क्षेत्र की भूगर्भीय स्थिति, भू–आकृति एवं उक्त प्रस्तर में वर्णित तथ्यों को ध्यान में रखते हुये निम्न सुझाव दिये जा रहे है, जिन्हें प्रस्तावित मार्ग निर्माण में सम्मिलित किया जाना आवश्यक है।

(1) यथासम्भव मार्ग की पूरी चौड़ाई कटान करके प्राप्त की जायें । यह भविष्य में मार्ग की स्थिरता की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। जिस भाग में पहाड़ी ढलान तीव्र है, वहां मार्ग का निर्माण हाफ कट–हाफ टेक्नीक से कराया जा सकता है।

(2) मार्ग के आरम्भ में टेक आफ प्वाइन्ट कम ढलान युक्त स्थिर भूमि में सावधानीपूर्वक बनाया जाये।

(3) यह सुनिश्चित किया जाये कि समरेखन में प्रस्तावित हेयर पिन बैण्ड कम ढलान युक्त स्थिर भूमि में सावधानीपूर्वक बनाये जाये।

(4) तीव्र ढलान में मार्ग की एक से अधिक आर्म्स को avoid किया जाना चाहिये।

(5) समरेखन के समीप स्थित घरों से सुरक्षित दूरी रखते हुए बिना विस्फोटकों का प्रयोग किये मार्ग कटान किया जाये।

(6) जहॉ मार्ग कटान की ऊचाई अधिक हो और स्ट्रेटा कमजोर हो, विशेष रूप से बैण्ड्स पर एवं आबादी वाले भाग में, मार्ग कटान के साथ–साथ समुचित ब्रेस्ट वाल का निर्माण कराया जाये।

(7) जहॉ आवश्यक हो, मार्ग के ऊपर व नीचे पहाड़ी ढलान पर समुचित पौधों का रोपण किया जाये, जिससे ढलानों पर भूक्षरण की प्रकिया को नियंत्रित रखा जा सके।

(8) वर्षा के पानी की समुचित निकासी हेतु रोड साईड ड्रेन, स्कपर एवं अन्य कास ड्रेनेज वर्क्स का प्रावधान किया जायें।

(9) कटिंग के दौरान निकले हुए मैटेरियल को पूर्व निर्धारित dumpyard में डाला जाये। खड्ड साईड में फैंकने से भूक्षरण की समस्या उतपन्न हो सकती है।

(10) उपरोक्त के अतिरिक्त पर्वतीय क्षेत्र में मार्ग निर्माण के लिये निर्धारित सिविल अभियांत्रिकी के अन्य मानकों एवं विशिष्टियों का भी पालन किया जाये।

4 क्यारी–मसरास मोटर मार्ग के निर्माण हेतु 15 कि0मी0 लम्बाई का प्रस्तावित समरेखन वर्तमान परिस्थितियों में उपरोक्त सुझावों के साथ मार्ग निर्माण के लियें उपयुक्त प्रतीत होता है। इस हेतु प्रस्तावित भूमि भूगर्भीय दृष्टि से उपयुक्त है।

टिप्पणी:–

भूमि हस्तांतरण की दृष्टि से समरेखन क्षेत्र में किये गये निरीक्षण एवं खण्ड द्वारा उपलब्ध कराये गये सर्वेक्षण विवरण के आधार पर यह एक जनरलाइज्ड आख्या है। मार्ग कटान के पश्चात स्थिति में परिवर्तन भी सम्भव है।

H. Kumar 1.12.17
(हर्ष कुमार)
वरि0 भूवैज्ञानिक (से0नि0)
लोक निर्माण विभाग, देहरादून

सहायक अभियन्ता
अस्थाई खण्ड लो0नि0वि0
थत्यूड़ (टिहरी गढ़वाल)